मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

MSK-005

स्नातकोत्तर कला उपाधि (एम.एस.के.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.एस.के.-005 : वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय संस्कृति और सभ्यता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

(ii) प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं।

(iii) प्रत्येक खण्ड में दिए गए निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×5=50

(क) यजुर्वेद का परिचय देते हुए शुक्ल यजुर्वेद की शाखाओं का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

(ख) वेद के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए सामवेद की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए।

(ग) सामवेदीय ब्राह्मणों पर एक निबन्ध लिखिए।

(घ) आरण्यकों का परिचय देते हुए उनके प्रतिपाद्य विषय पर विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

(ङ) उपनिषदों के महत्व पर प्रकाश डालिए।

(च) वैदिककालीन नारी की स्थिति पर संक्षिप्त टिप्पणी करते हुए स्त्री-वेशभूषा पर प्रकाश डालिए।

(घ) सोमयाग के माहात्म्य का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं ***दो*** की व्याख्या कीजिए : 5×2=10

(क) येन देवा न वियन्ति नो च विद्विषते मिथः।

तत कृण्मो ब्रह्म वो ग्रहे संज्ञानं पुरुषेभ्यः।।

(ख) सहस्रशीर्षा पुरुषः सहस्राक्षः सहस्रपात्।

स भूमिं विश्वतो वृत्वात्यतिष्ठदृशाऽन्गुलम्।।

(ग) हिरण्यते हस्तो असुरः सुनीयः

सु मृलीकः स्वषां यात्ववङ्हि।

अपसेधन् रक्षसोयाऽधानानस्थाद्देवाः

प्रतिदोषं गृणानः।।

(घ) वि सुपर्णो अन्तरिज्ञाण्यख्यद्

गभीप्रवेपा असुरःसुनीथः।

क्वेइदानीं सूर्यः कश्चिकेत कतमां

द्यां रश्मि रस्या तनान्।।

खण्ड—ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 6×5=30

(क) निपात

(ख) वैदिक देवताओं का स्वरूप

(ग) धर्म की महानता

(घ) ब्रह्मचारी के कर्त्तव्य

(ङ) पुराणों में धर्म की अवधारणा

(च) रामायणकालीन संस्कृति

(छ) पुराणकालीन समाज

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : 5×2=10

(क) एङि पररूपम्

(ख) आतोऽटि नित्यम्

(ग) कालसमयवेलासु तुमुन

(घ) 'भोक्तुम' रूप की सिद्धि कीजिए